

३६/२० पत्रावली पैरा हुई। वहील पत्रावली

उपरोक्त वादग्रस्त मामिलों की मूलवाद के निस्तारण तक रिकार्ड एवं मॉडे की मर्यादादिबन्ध बनाये रखने के लिए उभय पक्षों ने सहमति जाहिर की है। इसीलिए उभय पक्षों द्वारा मूलवाद के निस्तारण तक रिकार्ड एवं मॉडे की मर्यादादिबन्ध बनाये रखने के लिए पीबद किया जाता है। पत्रावली केवल सुमार होकर दर्ज नम्बर से समाप्त होना बाद तक मिला जा रहा दाखिलदफ्तर है। इसके सुले न्यायालय में रूनाया गया।

Handwritten signature

M. L. Sharma
उपस्थित न्यायाधीश
नवम्बर

